पत्र लेखन - औपचारिक पत्र

दिल्ली की लो फ्लोर बसों में आए दिन लगने वाली आग के संबंध में संपादक को पत्र लिखिए।

पताः.................
दिनांकः.............

सेवा में,
संपादक महोदय,
हिंदुस्तान टाइम्स,
कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली।

विषय: लो फ्लोर बसों में लगने वाली आग के संबंध में पत्र।

श्रीमान जी,
मैं आपके लोकप्रिय समाचार पत्र के माध्यम से लो फ्लोर बसों में लगने वाली आग की ओर प्रशासन और सरकार का ध्यान आकृष्ट करवाना चाहता हूँ।

दिल्ली सरकार ने दिल्लीवासियों को लो फ्लोर बसों का तोहफ़ा देकर जो वाहवाही बटोरी थी, वह उसके लिए जी का जंजाल बने हुए है। इन बसों को इसलिए सड़कों पर उतारा गया था कि दिल्लीवासियों को प्राइवेट बसों की मनमानी से बचाया जा सके। साथ में सुविधाजनक यात्रा का आनंद दिल्लीवासियों को दिलाया जा सके। वातावरण को प्रदूषण रहित बनाने में भी ये बसें सहायक हैं। परन्तु यह प्रसन्नता दिल्लीवासियों के लिए परेशानी का कारण बनने लगी है। ये सी.एन.जी बसें हैं। परन्तु इसमें प्रयोग होने वाली सी.एन.जी. किट में ज्यादातर आग लग जाती है। आम जनता के लिए यह मौत के सामान से ज्यादा कुछ नहीं हैं। अन्य विकल्प नहीं होने के कारण इनमें यात्रा करना उनकी मजबूरी बन गई है।

आपसे निवेदन है कि अपने समाचार पत्र में इसे प्रकाशित कर प्रशासन व सरकार का ध्यान दिलाएँ ताकि वे ऐसे उपाय करें, जिससे इस प्रकार की घटनाओं को होने से पहले ही रोका जा सके।

धन्यवाद,

भवदीय,
क.ख.ग

अपने क्षेत्र में बढ़ते अपराध के मामलों की रोकथाम करने हेतु संपादक को पत्र लिखिए।

पता: ....
दिनांक: ....

सेवा में,
संपादक महोदय,
नवभारत टाइम्स,
7, बहादुरशाह जफ़र मार्ग,
नई दिल्ली-110002

विषय: अपने क्षेत्र में बढ़ते अपराधों की रोकथाम हेतु पत्र।

श्रीमान जी,
मैं आपके लोकप्रिय समाचार-पत्र द्वारा हमारे क्षेत्र में बढ़ रहे अपराधों की ओर ध्यान दिलाना चाहता हूँ। कृपया अपने समाचार पत्र में इसे उचित स्थान पर प्रकाशित करके अनुग्रहित करें।

मैं गोविंदपुरी क्षेत्र का निवासी हूँ। हमारे क्षेत्र में अपराध के मामले बढ़ते जा रहे हैं। आम आदमी का घर से निकलना कठिन हो गया है। कभी मोटर साईकिल में सवार युवक औरतों की जंजीर छीनकर भाग जाते हैं। लोगों को चाकू की नोक पर लूट लिया जाता है। दिन-दहाड़े घर के ताले तोड़कर घरों में जमकर लूटपाट की जाती है। आए दिन हत्या के मामले प्रकाश में आ रहे हैं।

इस क्षेत्र के लोगों ने पुलिस अधिकारियों को इस विषय में सचेत करने का प्रयास भी किया था। परन्तु हमेशा उनके द्वारा इस मामले की अनदेखी की गई है। जनता स्वयं को सुरक्षित महसूस नहीं कर रही है। पुलिस यदि इस तरह का व्यवहार करेगी, तो जनता किससे अपनी सुरक्षा की उम्मीद करेगी।

कृपया करके अपने समाचार पत्र में इस समस्या को प्रकाशित कर प्रशासन और सरकार दोनों का ध्यान इस ओर दिलवाने का प्रयास करें ताकि हमारा क्षेत्र इस समस्या से मुक्ति पा सके।

धन्यवाद,

भवदीय,
रजनीश

बरसात के समय में दिल्ली में जल-भराव की समस्या को दर्शाने हेतु संपादक को पत्र लिखिए।

मॉडल टाउन,
नई दिल्ली-110009
दिनांक: ....

सेवा में,
संपादक महोदय,
नवभारत टाइम्स
7, बहादुरशाह जफ़र मार्ग,

नई दिल्ली-110002

विषय: बरसात के समय में पूरी दिल्ली में जल-भराव की समस्या दर्शाने हेतु पत्र।

महोदय,
आपका समाचार पत्र दिल्ली में सबसे लोकप्रिय है। मैं इस समाचार पत्र के माध्यम से बरसात के समय में पूरी दिल्ली में जल-भराव की समस्या की तरफ़ सरकार का ध्यान आकर्षित करवाना चाहता हूँ।

दिल्ली पूरे भारत का दिल कही जाती है। यह भारत के महानगरों में से एक है। देश की राजधानी भी है। इस नाते इसका विशेष ध्यान रखना आवश्यक हो जाता है। वैसे तो सरकार द्वारा इसके रख-रखाव के लिए कई तरह के वादे किए जाते हैं। परन्तु वे सब खोखले नज़र आते हैं। उनके वादों की पोल तब खुलती है, जब मानसून दिल्ली में दस्तक देता है। यदि दिल्ली में बे मौसम की बारिश हो जाए, तो वह तभी लबालब भर जाती है। मानसून में तो कहना ही क्या? इसका नुकसान भुगतना पड़ता है, आम आदमी को।

जगह-जगह जल-भराव के कारण यातायात ठप्प पड़ जाता है। यदि इलाकों में पानी भरा हो, तो वहाँ मच्छरों का प्रकोप बड़ी समस्या बनकर उभरता है। पिछले वर्ष दिल्ली में डेंगू, चिकनगुनिया, मलेरिया आदि जैसी बीमारियों ने अपने कहर से दिल्ली की जनता में भय उत्पन्न कर दिया था। परन्तु लगता नहीं है कि सरकार ने पिछली बरसात से कोई सबक लिया है। अब बरसात का सोचते ही लोगों के चेहरों में तनाव की रेखाएँ खींच जाती है।

अत: मेरा आपसे निवेदन है कि आप इस लेख को अपनी पत्रिका में छापें ताकि प्रशासन और सरकार इसके प्रति सचेत हो और आगामी वर्षाकाल में इस प्रकार की समस्या से उभरने के लिए समुचित उपाय किए जा सकें।

धन्यवाद,

भवदीय,
विमल राय

टिकट चैकर द्वारा किए गए अच्छे व्यवहार की प्रशंसा करने हेतु रेलवे प्रबंधक को पत्र लिखिए।

मकान न. 5, सेक्टर-5,
चंडीगढ़।
दिनांक: ....

सेवा में,
मुख्य प्रबंधक,
उत्तर रेलवे, चंडीगढ़।

विषय: टिकट-चैकर द्वारा किए गए अच्छे व्यवहार की प्रशंसा हेतु पत्र।

महोदय,
मैं आपका ध्यान शताब्दी एक्सप्रेस में टिकट चैकर (क्रंमाक संख्या 2125) के प्रशंसनीय व्यवहार की और आकर्षित करवाना चाहता हूँ। महोदय मैं परसों दिनांक .... को सुबह 5 बजे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से इस रेल में सपरिवार सहित बैठा था। रेल नियत समय पर चल पड़ी।

यात्रा करते हुए हमें काफ़ी समय गुज़र गया था। तभी हमने किसी के चिल्लाने की आवाज़ सुनी। सामने वाली बर्थ में चोर घुस आया था। वह पिछले स्टेशन से चढ़ा था। स्त्री को अकेली जान लूटने के उद्देश्य से वह उसके पीछे चल पढ़ा था। उसके हाथ में चाकू था। वहाँ तभी टिकट चैकर साहब आ गए। उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना पीछे से चोर को पकड़ लिया। चोर ने उनसे स्वयं को छुड़ाने का बहुत प्रयास किया। परन्तु छुड़वा नहीं पाया। लोगों ने भी हिम्मत जुटाई और उसे पकड़ लिया। अगले स्टेशन पर उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया।

आपसे निवदेन है कि आप टिकट चैकर के प्रशंसनीय कार्य के लिए उन्हें रेल-विभाग की तरफ़ से पुरस्कृत कीजिए। आपके इस कदम द्वारा अन्य टिकट-चैकरों के लिए मिसाल कायम होगी और सभी अपने कर्त्तव्यों का पालन कुशलतापूर्वक करेंगे।

धन्यवाद,

भवदीय,
मोहन सिंह

मनीआर्डर नहीं पहुँचने के विषय में पोस्ट मास्टर को पत्र लिखिए।

पताः ....
दिनांकः ....

सेवा में
पोस्टमास्टर,
मुख्य डाकघर,
लोधी रोड़, नई दिल्ली।

विषय: मनीआर्डर समय पर नहीं पहुँचने हेतु पत्र।

महोदय,
सविनय निवेदन यह है कि मैंने आपके डाकघर से दिनांक .... अपने शिमला स्थित निवास स्थान पर 2000 हज़ार रुपये का मनीआर्डर कराया था। मेरा नाम वीरसेन है व रसीद क्रमांक सी-335254 है।

मैं एक गरीब युवक हूँ। प्रत्येक माह अपने वेतन से पैसे बचा-बचाकर भेजता हूँ। मेरे द्वारा कराए गए

मनीआर्डर को एक महीने से अधिक हो गया है पर वह अब तक मेरे परिवारवालों तक नहीं पहुँचा है। इस समय मेरी माताजी की तबीयत ठीक नहीं है। मेरे घरवालों को उनके इलाज के लिए रुपयों की सख्त आवश्यकता है। गाँव के पोस्ट आफिस पर जाकर भी पता करवाया परन्तु उन्होंने मनीआर्डर के विषय में कोई जानकारी प्राप्त नहीं है। यहाँ के पोस्ट आफिस में जाकर भी पता करने का प्रयास किया परन्तु उनके अनुसार मनीआर्डर गए बहुत समय हो गया है।

आपसे प्रार्थना है कि मेरा मनीआर्डर समय पर न पहुँचने के कारण का पता लगाएँ और उसे शीघ्र मेरे घर तक पहुँचाने की कृपा करें।

धन्यवाद सहित,

भवदीय,
वीरसेन

स्कूटर चोरी हो जाने की रिपोर्ट करते हुए थानाध्यक्ष को पत्र लिखिए।

पताः..................
दिनांकः ....

सेवा में,
थानाध्यक्ष,
कनॉट-प्लेस,
नई दिल्ली।

विषय: स्कूटर चोरी हो जाने की सूचना हेतु-पत्र।

मान्यवर,

मेरा नाम विद्युत नेगी है। मैं करोलबाग का निवासी हूँ। मैं कल कनॉट प्लेस में अपने चोरी हुए स्कूटर की रिपोर्ट लिखवाना चाहता हूँ।

कल मैं कनॉट प्लेस में स्थिति हनुमान मंदिर में दर्शनों के लिए आया था। मैंने कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर में स्थिति पार्किंग में अपना स्कूटर लगा दिया था। मंदिर में अत्यधिक भीड़ थी। इस कारण मुझे आने में देर हो गई। परन्तु जैसे ही मैं वहाँ आया मेरा स्कूटर वहाँ नहीं था। मैंने पार्किंग स्थल में पार्किंग कर वसूलने वाले व्यक्ति से पूछा, तो उसने बताया कि एक व्यक्ति ने उसका शुल्क भर दिया। मेरे पूछे जाने पर कि तुमने उसे बिना पर्ची देखे कैसे स्कूटर ले जाने दिया। उसका कहना था कि वह व्यक्ति यह कहकर स्कूटर ले गया कि उसकी पर्ची खो गई है।

मेरा स्कूटर नीले-काले रंग का था। वह बजाज का चेतक नामक स्कूटर था। उसे अभी दो महीने पहले ही खरीदा गया था। उसका नम्बर डी.एल.-4एस-2456 था।

आपसे विनम्र अनुरोध है कि स्कूटर के चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज करें एवं उसे ढूँढ़ने का प्रयास करें।

भवदीय,
विद्‌युत नेगी

पुस्तक विक्रेता को फटी पुस्तकों के बदले नई पुस्तकें भिजवाने के लिए पत्र लिखिए।

पताः ....
दिनांकः ....

सेवा में,
व्यस्थापक,

जीवन पब्लिशिंग हाऊस प्रा. लि.,
4809-11, अंसारी रोड़,

दरियागंज,
नई दिल्ली-110002

विषय: फटी पुस्तकों के बदले नई पुस्तकें भिजवाने हेतु प्रार्थना-पत्र।

महोदय,

आपसे सविनय निवेदन यह है कि मुझे आपने दिनांक.......... को निम्नलिखित पुस्तकें भेजी थीं। उनमें से सभी पुस्तकें फटी हुई हैं। मेरी कक्षा आगामी सप्ताह से आरंभ होने वाली है। इसलिए ये पुस्तकें जितना शीघ्र हो सकें आप बदलवा कर नई पुस्तकें भेजने का कष्ट करें। पुस्तकें भेजने से पहले यह सुनिश्चित कर लीजिएगा कि पुस्तकें नए संस्करण की हों, कटी-फटी न हों। इस पत्र के साथ फटी पुस्तकों की सूची भेज रहा हूँ। वे इस प्रकार है-

1. अंग्रेजी व्याकरण (कक्षा: सातवीं) 1 प्रति
2. हिंदी व्याकरण (कक्षा: सातवीं) 1 प्रति
3. संस्कृत व्याकरण (कक्षा: सातवीं) 1 प्रति
4. समाजिक विज्ञान गाइड (कक्षा: सातवीं) 1 प्रति
5. कंप्यूटर विज्ञान (कक्षा: सातवीं) 1 प्रति

आपसे वित्रम निवेदन है जितनी शीघ्र हो सकें, ये पुस्तकें भिजवा दें। आपकी अति कृपा होगी।

धन्यवाद,

भवदीय,
इन्द्र

क्षेत्र की गलियों की खराब सफाई व्यवस्था को दर्शाने हेतु नगर निगम के अधिकारी को पत्र लिखिए।

पताः ....
दिनांकः ....

सेवा में,
स्वास्थ्य अधिकारी,
दिल्ली नगर निगम,
कोटला गाँव, नई दिल्ली।

विषय: गलियों की खराब सफाई व्यवस्था को दर्शाने हेतु पत्र।

महोदय,

इस पत्र के द्वारा मैं आपका ध्यान कोटला गाँव की गलियों की खराब सफाई व्यवस्था की ओर दिलाना चाहता हूँ। हमारे क्षेत्र में छोटी-छोटी गलियाँ हैं। इन गलियों में प्रवेश करते ही नालियों से तेज़ दुर्गन्ध आने लगती है। यहाँ पर रुकना कठिन हो जाता है।

स्थान-स्थान पर रखे गए कूड़ेदान से कूड़े की अब तक निकासी नहीं हुई है। गंदगी के ढेर हो जाने के कारण कूड़ा गलियों पर फैलने लगा है। नालियों का पानी गलियों में हर समय बहता रहता है। इस कारण यहाँ पर मक्खी, मच्छर और कीड़े-मकोड़े भी पनप रहे हैं।

पिछले एक साल से यहाँ गलियों व नलियों की मरम्मत नहीं हुई है। इस क्षेत्र के सफाई कर्मचारी भी अपना काम पूरी निष्ठा से नहीं करते हैं। अपनी सुविधा अनुसार ही वह काम करते हैं। हमने नगर निगम के कई अधिकारियों को भी इस स्थिति से अवगत कराया परन्तु स्थिति वैसी-की-वैसी बनी हुई है। हमारे लिए अब आप ही अतिंम आशा हैं।

अत: आपसे विनम्र अनुरोध है कि आप इस क्षेत्र में आएँ और स्वयं यहाँ कि गली व्यवस्था की अनदेखी को अपनी आँखों से देखें। इस क्षेत्र के सफाई कर्मचारियों को उचित आदेश दें और हमारे क्षेत्र को इस गंदगी से मुक्त कराएँ।

धन्यवाद,

भवदीय,
शिव कुमार

बिजली की शिकायत करते हुए उसके प्रबंधक को पत्र लिखिए।

पता: ....
दिनांक: ....

सेवा में,
महाप्रबंधक महोदय,
दिल्ली विद्युत बोर्ड,
नई दिल्ली।

विषय: बिजली की शिकायत करने हेतु पत्र।

महोदय,

निवेदन है कि मैं आपका ध्यान अपने क्षेत्र हनुमान रोड़ में व्याप्त बिजली-संकट की ओर दिलाना चाहता हूँ। बिजली नहीं होने के कारण हमें भारी संकट का सामना करना पड़ रहा है।

इस समय हमारे विद्यालय में परीक्षाएँ चल रही हैं। परीक्षा की तैयारियों के लिए हमें रात-दिन पढ़ाई करनी पढ़ती है। परन्तु हमारे इलाके में तो जैसे बिजली आँख-मिचौनी का खेल खेलती रहती है। बिजली कब तक रहती है यह कहना कठिन होता है। कभी-कभी तो बिजली पूरा-पूरा दिन गायब रहती है। यदि आती भी है तो मुश्किल से एक-दो घंटे तक ही उसके दर्शन उपलब्ध हो पाते हैं। बिजली न होने से हमें पढ़ाई करने में बड़ी असुविधा होती है। हमने इस समस्या की तरफ़ अधिकारियों का ध्यान दिलाने की बहुत कोशिश की परन्तु किसी के कान में जूँ तक नहीं रेंगीं।

आपसे निवेदन है कि परीक्षा के दिनों में बिजली की नियमित ढ़ंग से सप्लाई दें। बिजली काटना यदि ज़रूरी है तो उसके जाने का समय ऐसा निश्चित करें जिससे बच्चे बिना किसी असुविधा के अपनी पढ़ाई कर सकें। आपके इस सहयोग के लिए हम सदैव आपके आभारी रहेंगे।

धन्यवाद सहित,

भवदीय,
निलेश मुखर्जी

अपने क्षेत्र में पार्क बनाने का आग्रह करते हुए नगर निगम अधिकारी को पत्र लिखिए।

पताः ....
दिनांकः ....

सेवा में,
सहायक निगमायुक्त (दक्षिणी क्षेत्र),

दिल्ली नगर निगम,
अर्जुन नगर,
नई दिल्ली।

विषय: पार्क की सुविधा के लिए पत्र।

महोदय,

मेरा नाम विनोद सिंह है। मैं अर्जुन नगर का निवासी हूँ। मैं आपका ध्यान हमारे क्षेत्र में पार्क के अभाव की ओर दिलवाना चाहता हूँ।

हमारे क्षेत्र में 25 से 50 गज के प्लाट वाले मकान बने हुए हैं। यहाँ कि मुख्य समस्या यह है कि यहाँ के निवासियों के लिए कोई भी पार्क उपलब्ध नहीं है। हमारे यहाँ नगर निगम की खाली जमीन है परन्तु वह ऐसी ही वीरान पड़ी हुई है। हमारे क्षेत्र में निवासियों के व्यायाम करने और बच्चों के खेलने के लिए पार्क की नितांत आवश्यकता है। पार्क नहीं होने से लोगों को काफी दूर बने पार्कों में जाना पड़ता है। बच्चे सड़कों में खेलते रहते हैं जो उनके लिए खतरनाक है। हमने पत्रों द्वारा नगर निगम का ध्यान आकर्षित करवाना चाहा परन्तु हमेशा हमारी बातों की अनसुनी की गई है।

अत: आपसे विनम्र प्रार्थना है कि यहाँ एक पार्क का निर्माण करवाया जाए। यहाँ के लोग इस कार्य में आपका पूरा सहयोग करेंगे। आपकी सहायता के लिए हम सदा आपके आभारी रहेंगे।

धन्यवाद,

भवदीय,
विनोद सिंह

अपने प्रधानाचार्य को फीस माफ़ करने हेतु प्रार्थना-पत्र लिखिए।

दिनांकः ....

सेवा में,
प्रधानाचार्य महोदय,
सेन्ट्रल स्कूल,
पंडारा रोड,
नई दिल्ली-110003

विषय: अपने प्रधानाचार्य को फीस माफ़ करने हेतु प्रार्थना-पत्र।

महोदया,

सविनय निवेदन यह है कि मेरा नाम कमल है। मैं कक्षा सातवीं 'सी' का छात्र हूँ। मैं गरीब परिवार का सदस्य हूँ। मेरे पिताजी प्राइवेट कंपनी में क्लर्क हैं। उन्हें मासिक वेतन आठ हजार रुपये मिलता है। हम किराए के मकान में रहते हैं और दो भाई-बहन हैं। इतने कम वेतन में घर का किराया देना, हम भाई-बहन की पढ़ाई का खर्चा निकालना और घर का खर्चा चलाना कठिन हो जाता है।

मैं एक अच्छा विद्यार्थी हूँ। मुझे पढ़ने में बहुत रुचि है। परन्तु यदि इसी तरह चलता रहा तो वर्तमान समय में मेरा पढ़ाई करना कठिन हो जाएगा। मैं अपनी कक्षा में सदैव प्रथम आता हूँ। वाद-विवाद प्रतियोगिता में मैंने कई बार पुरस्कार जीते हैं। खेलों में भी मैंने पुरस्कार प्राप्त किया है।

अत: आपसे मेरा अनुरोध है कि मेरी योग्यता के अनुसार और मेरी आर्थिक स्थिति को देखते हुए मेरी पूरी फीस माफ़ कर दी जाए। आपके इस सहयोग के लिए मैं सदैव आपका आभारी रहूँगा।

आपका आज्ञाकारी शिष्य,
कमल

कक्षा: ....

अपनी कक्षा में मोनीटर को बदलने हेतु अध्यापिका को पत्र लिखिए।

दिनांकः ....

सेवा में,
अध्यापिका/अध्यापक जी,
राजकीय उच्चतम माध्यमिक,
कन्या एवं बाल विद्यालय,
मोती बाग,
नई दिल्ली।

विषय: मोनीटर को बदलने हेतु शिकायती पत्र।

महोदया/महोदय,

आपसे सविनय-निवेदन यह है कि हमारी कक्षा में आपके द्वारा जो मोनीटर नियुक्त किया गया है, हम सभी बच्चे उससे बहुत परेशान हैं। वह हर समय कक्षा में चिल्लाता रहता है और हमें मारता भी है। हम यदि आपके पास शिकायत लेकर आना चाहते हैं, तो वह हमें धमकाता है। उसके डर के कारण हम सभी चुप हो जाते हैं। वह स्वयं पूरी कक्षा में बातें करता रहता है परन्तु यदि कोई उसे टोक दे तो वह उसकी ही झूठी शिकायत आप से कर देता है।

वह आपके द्वारा दिए गए अधिकारों का गलत प्रयोग कर रहा है। कल इसकी देखा-देखी अन्य कक्षा के मोनीटर भी ऐसा करेगें। इसको यदि इस समय सज़ा नहीं मिली तो यह सबको किसी न किसी तरह परेशान

करता रहेगा। अत: हमने इसके द्वारा किए गए गलत कार्यो को आपको बताना उचित समझा।

आशा करते हैं कि आप हमारी परेशानी को समझेगें। शीघ्र ही आप इस मोनीटर को दंडित करेगें और इसके स्थान पर जल्द ही कोई उपयुक्त और ज़िम्मेदार मोनीटर नियुक्त करेंगे।

धन्यवाद,

आपका आज्ञाकारी शिष्य,
पंकज

कक्षा: ....

विद्यालय में तरणताल बनाने के लिए प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।

दिनांकः ....

सेवा में,
प्रधानाचार्य महोदय,
राजकीय उच्चतर माध्यमिक बाल विद्यालय,
नई दिल्ली-110017

विषय: विद्यालय में तरणताल बनवाने हेतु पत्र।

महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय में सातवीं कक्षा का छात्र हूँ। मेरा नाम विष्णु गुप्ता है। हमारे विद्यालय में हर प्रकार के खेलों की उचित व्यवस्था की गई है। विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार खेल को चुनकर अच्छे खेल प्रशिक्षक द्वारा उसका प्रशिक्षण लेता है। परन्तु हमारे विद्यालय में तैराकी सीखने वालों को निराशा हाथ लगती है।

मैं और बहुत से ऐसे छात्र हैं, जो तैराकी सीखना चाहते हैं। परन्तु विद्यालय में तरणताल न होने के कारण सीख नहीं पाते। हमारे क्षेत्र में भी तरणताल की व्यवस्था नहीं है। अत: तैराकी नहीं सीख पाने के कारण हमें बहुत निराश होना पड़ता है। हमने इस बारे में अपने अध्यापक से भी बात की परन्तु इस विषय में उन्होंने अपनी असमर्थता ही जताई। उनके अनुसार इस विषय में आप ही कुछ कर सकते हैं।

आपसे निवेदन है कि आप हमारे लिए विद्यालय में ही तरणताल की व्यवस्था करने की कृपा करें ताकि हमें इसे सीखने का अवसर प्राप्त हो सके। आपके इस निर्णय से बहुत से निराश चेहरों को प्रसन्नता प्राप्त होगी। हम सदैव आपके आभारी रहेंगे।

आपका आज्ञाकारी छात्र,
विष्णु गुप्ता

कक्षा: ....

संस्कृत विषय में अध्यापक न होने से उत्पन्न समस्याओं को दर्शाने हेतु प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।

दिनांक: ....

सेवा में,
प्रधानाचार्य जी,
नवयुग स्कूल,

लोधी रोड़,
नई दिल्ली।

विषय: संस्कृत विषय के लिए नए अध्यापक के प्रबंध हेतु पत्र।

महोदया/महोदय,

आपसे सविनय-निवेदन यह है कि हमारी कक्षा में बहुत महीनों से संस्कृत विषय की पढ़ाई नहीं हुई है। जबसे संस्कृत के अध्यापक का स्थानातरंण हुआ है, हमारे लिए किसी दूसरे अध्यापक का प्रबन्ध नहीं किया गया है। हम इस विषय में पिछड़ने लगे हैं। हमें अनेक प्रकार की कठिनाइयाँ आती है। पढ़ते समय यदि कठिन शब्द आता है, तो हम कुछ नहीं कर पाते हैं। इस कारणवश हमारी इस विषय में पढ़ाई नहीं के बराबर हो रही है।

संस्कृत ऐसा विषय है, जिसे हर कोई पढ़ा नहीं सकता है। बहुत कम बच्चे घर पर रहकर अन्य शिक्षक द्वारा अपनी पढ़ाई पूरी कर पा रहे हैं। हर बच्चा ट्यूशन नहीं ले सकता है, जिसके कारण वे इस विषय में पिछड़ते जा रहे हैं। आपका इस विषय में ध्यान दिलाना आवश्यक था।

आगामी महीने में हमारी परीक्षा आरंभ होने वाली हैं। हम सब इस विषय के लिए बहुत परेशान हैं। आपसे निवेदन है कि आप हमारी परेशानी को समझेगें व इस समस्या का हल अवश्य निकालेगें। हम सदैव आपके आभारी रहेंगे।

धन्यवाद,

आपकी आज्ञाकारी शिष्या,
स्वाति

कक्षा: ....

विद्यालय में 'वाद-विवाद' प्रतियोगिता करवाने के लिए प्रधानाचार्या को पत्र लिखिए।

दिनांक: ....

सेवा में,
श्रीमान/श्रीमती प्रधानाचार्य,
स्कूल का नाम...............
स्कूल का पता...............

विषय: 'वाद-विवाद' प्रतियोगिता करवाने हेतु पत्र।

महोदय/महोदया,

सविनय निवेदन यह है कि हमारे स्कूल में समय-समय पर तरह-तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों व मेलों का आयोजन होता रहा है। परन्तु कभी भी 'वाद-विवाद' प्रतियोगिता का आयोजन नहीं किया गया है। कई स्कूलों व स्थानों पर इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। इसका उद्देश्य बच्चों में बौद्धिक विकास करना होता है। विषयों के प्रति अच्छे-बुरे पक्षों को समझाने व समझने का यह उत्तम साधन है।

इस तरह की वाद-विवाद प्रतियोगिता में विद्यार्थी दिए गए विषयों पर रूचि लेकर अध्ययन करते हैं। क्योंकि इस तरह की वाद-विवाद प्रतियोगिता में विद्यार्थी की वाकपटुता, उसका ज्ञान और उसके आत्मविश्वास की परीक्षा होती है। किसी विषय के पक्ष और विपक्ष में बोलना सरल नहीं होता। यह उनके अंदर आत्मविश्वास का संचार करता है। उनकी मानसिक क्षमता का परिचय देता है।

अत: आप हमारे स्कूल में 'वाद-विवाद' प्रतियोगिता करवाने की अनुमति प्रदान करें। आपके इस कदम से अनेक छात्रों का उत्साह बढ़ेगा। आपके इस सहयोग के लिए हम सदा आपके आभारी रहेंगे।

धन्यवाद,

आपका आज्ञाकारी शिष्या/शिष्य,
क.ख.ग.

कक्षा: ....

विद्यालय के प्रधानाचार्य को अपनी बहन के विवाह पर आमंत्रित कीजिए।

दिनांक: ....

सेवा में,
प्रधानाचार्य जी,
नवोदय बाल विद्यालय,
शेख सराय,

नई दिल्ली।

विषय: बहन के विवाह पर आमंत्रित करने हेतु पत्र।

महोदया/महोदय,

आपसे सविनय-निवेदन यह है कि मेरी बड़ी बहन का विवाह दिनांक .... को तय हुआ है। मेरी व मेरे परिवार की हार्दिक इच्छा है कि आप मेरी बड़ी बहन के विवाह के शुभ अवसर पर अपना आशीर्वाद अवश्य दें।

इस विवाह समारोह में भाग लेने के लिए मेरा पूरा परिवार आपको आमंत्रित करता है। बारात हमारे निवास स्थान रोहिणी सेक्टर-2 को 28 अगस्त को सायं आठ बजे पहुँचेगी।
कार्यक्रम की जानकारी इस प्रकार है-

हल्दी हाथ - 28 अगस्त प्रात: 9 बजे
बारात स्वागत - 28 अगस्त सायं 8 बजे
प्रीतिभोज - 28 अगस्त सायं 9 बजे
विदाई - 29 अगस्त प्रात: 6 बजे

आशा है आप विवाह में अवश्य आएँगे। हम आपके दर्शनों के अभिलाषी रहेंगे।

धन्यवाद,

आपका आज्ञाकारी शिष्य,
गोपी गुप्ता

कक्षा: ....

विद्यालय में पीने के पानी की कमी के लिए प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।

दिनांक: ....

सेवा में,
प्रधानाचार्य जी,
राजकीय उच्चतम माध्यमिक बाल विद्यालय,
सेवा नगर, नई दिल्ली।

विषय:पीने के पानी की कमी को दर्शाने हेतु पत्र।

महोदया/महोदय,

आपसे सविनय-निवेदन यह है कि हमारे विद्यालय में पानी की समूचित व्यवस्था नहीं है। विद्यालय के बाहर पानी की एक टंकी है जिसमें पीने का पानी होता है। सभी बच्चे उस टंकी से पानी पीते हैं। पूरे विद्यालय में पानी की आपूर्ति इसी टंकी से होती है। इस टंकी की हालात बहुत खराब है। बहुत दिनों से इसकी सफाई भी नहीं की गई है। जब भी इससे पानी पिया जाता है तो पानी में हमेशा अपशिष्ट पदार्थ दिखाई देते हैं।

गर्मियों के दिनों में पानी की सप्लाई नहीं होने के कारण यह टंकी सूख जाती है। विद्यार्थी पानी के लिए तरस जाते हैं। इस समस्या की ओर हमने कई बार ध्यान दिलाने का प्रयास किया। परन्तु हमारी बात की अनदेखी की जाती रही है।

कल तो हद हो गई, इस टंकी से एक कॉकरेज निकल आया। कई विद्यार्थियों को पूरे दिन प्यासा ही रहना पड़ा। इस विषय में यदि किसी से कहा जाए तो वह यही कहते हैं कि पानी नहीं आया है, कॉकरोच किसी बच्चे ने डाल दिया होगा इत्यादि।

अत: आप इस ओर ध्यान दें और हमारे लिए पानी की समुचित व्यवस्था कराने का प्रयास करें। हम सदैव आपके आभारी रहेंगे।

धन्यवाद,

आपका आज्ञाकारी शिष्य,
सचिन

कक्षा: …………

कंप्यूटर शिक्षा की व्यवस्था कराने हेतु प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।

दिनांक …………

सेवा में,
श्रीमान प्रधानाचार्य जी,
नवोदय बाल विद्यालय,
संत नगर,
दिल्ली।

विषय: कक्षा में कंप्यूटर शिक्षा की व्यवस्था हेतु पत्र।

मान्यवर,

मैं कक्षा सात की छात्रा हूँ। हमारे विद्यालय में विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा देने के लिए हर उत्तम कोशिश की गई है जो उनका बौद्धिक विकास करता है। परन्तु आज हर विद्यालय में कंप्यूटर का होना परम आवश्यक है। हमारे विद्यालय ने अभी तक अपने पाठ्यक्रम में कंप्यूटर की शिक्षा को नहीं अपनाया है। कंप्यूटर के विषय में ज्ञान मात्र किताब में देने से या बता देने से नहीं होता। इसके लिए विद्यालय में कंप्यूटर

होना आवश्यक है। हमारे विद्यालय में ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए जिसमें कम से कम 20 कंप्यूटर हों। उसका अपना ही एक विभाग हो। वहाँ पर कंप्यूटर सिखाने के लिए अच्छे कंप्यूटर शिक्षक हों। जो बच्चों को इसके विषय में पूरी जानकारी बता और समझा सकें।

हमारी कक्षा में कंप्यूटर का पाठ्यक्रम भी होना चाहिए। ऐसा करने से हम अन्य विषयों के अतिरिक्त कंप्यूटर विषय को भी पूरा वक्त दे पाएँगे। अत: आपसे अनुरोध है कि हमारी कंप्यूटर शिक्षा की व्यवस्था करवाएँ ताकि हम भी उसके विषय में अधिक-से-अधिक ज्ञान प्राप्त कर सकें।

धन्यवाद सहित,

प्रार्थी,
नेहा सिंह,

कक्षाः सातवीं 'क'

विद्यालय में अन्तर्विद्यालय युवा कवि-सम्मेलन करवाने हेतु प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।

दिनांक: ....

सेवा में,
प्रधानाचार्य जी,
राजकीय उच्चतम माध्यमिक बाल विद्यालय,
लाजपत नगर,
नई दिल्ली।

विषय: आयोजन करने के लिए विद्यालय से सहायता मँगाने के लिए पत्र।

महोदया/महोदय,

आपसे सविनय-निवेदन यह है कि हमारे विद्यालय की 'साहित्य-परिषद' विद्यालय में एक अन्तर्विद्यालय युवा कवि-सम्मेलन आयोजित करना चाहती है। इस आयोजन का उद्देश्य है कि विद्यार्थियों के अंदर छुपे गुणों का विकास करना। विद्यार्थियों की रुचि देखते हुए हमने कवि-सम्मेलन करने का निर्णय लिया है। इस आयोजन की तैयारी हेतु हमें आयोजन स्थल, बच्चों के लिए जलपान, आयोजन का कार्य देखने के लिए कर्मचारियों तथा मुख्य अतिथि सेवा सत्कार आदि के लिए योग्य छात्रों आदि की आवश्यकता पड़ेगी। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि को आमंत्रण देने के लिए भी आपके सहयोग की आवश्यकता होगी, जिसके लिए आपकी अनुकंपा अति आवश्यक है।

हमने और हमारी परिषद ने सारे कार्यों को निश्चित करके, उसकी एक सूची बना ली है। हमारा कार्य बस आपकी स्वीकृति के लिए ही रुका हुआ है। आपके द्वारा जैसे ही हमें स्वीकृति मिल जाएगी, हम अपना कार्य आरंभ कर देगें। यह सब कार्य आपकी सहायता के बिना संभव नहीं है।

हम उम्मीद करते हैं कि इन सब कार्यों हेतु व इस आयोजन को सफल बनाने हेतु आप हमारी सहायता अवश्य करेंगे। हम सदैव आपके आभारी रहेंगे।

धन्यवाद,

आपका आज्ञाकारी शिष्य,
सचिन (सचिव, साहित्य परिषद)

कविता प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए अन्य विद्यालय के प्रधानाचार्य को एक निमंत्रण पत्र लिखिए।

कला मन्दिर विद्यालय,
प्रीत विहार, दिल्ली।
दिनांक...............

सेवा में,
प्रधानाचार्य,
रामजस स्कूल,
आर. के. पुरम,
नई दिल्ली-110022

विषय: कविता प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए निमंत्रण हेतु पत्र।

महोदय,

हमारे विद्यालय ने इस बार विद्यालय के वार्षिक उत्सव पर सातवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं के लिए स्वयं रचित कविता प्रतियोगिता का आयोजन करने का निर्णय लिया गया है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों में कला का विकास हो यही हमारा उद्देश्य है। इस कविता प्रतियोगिता की पूरी तैयारी कर ली गई है। इसमें मुख्य अतिथि के रुप में इस क्षेत्र के विधायक को बुलाया गया है। इस प्रतियोगिता में अन्य और विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को भी निमंत्रण भेजा गया है।इस आयोजन के लिए हमारे विद्यालय में अगामी माह की 15 तारीख को प्रात: दस बजे का दिन निश्चित किया गया है। बच्चों के खान-पान की व्यवस्था भी की गई है। इस समारोह का समापन सांयकाल चार बजे तक हो जाएगा।

आशा है आप अपने विद्यालय के छात्र-छत्राओं को इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए भेजकर पूरा सहयोग देंगे। आपकी अति कृपा होगी।

धन्यवाद,

भवदीय,
छात्र सचिव